Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 25-07-2006

Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal

an>

Title : Need to declare the ancient bridge between India and Sri Lanka as a world heritage.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : अध्यक्ष महोदय, मेरी उपस्थिति के संबंध में मेरी पार्टी ने जो वाक आउट किया, उसके साथ जोडकर ली जाए, क्योंकि मेरा शून्य काल बहुत महत्वपूर्ण था, इसलिए मैं आपसे अनुमति चाहता हूं और अनुरोध करता हूं कि मेरी इस बात को मान लिया जाए।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप बोलिए। It is a part of parliamentary practice.

श्री गिरधारी लाल भार्गव : महोदय,मैं आपका ध्यान एक विशेा बात की ओर दिलाना चाहता हूं। नासा के द्वारा प्रमाणित किए जाने के बाद, मानव सभ्यता द्वारा 17 लाख 50 हजार वर्ा पुराना पुल रामेश्वरम का पुल, जो भारत और श्रीलंका के बीच में पाया गया है, जिसको केंद्र सरकार अभी तोड़ने जा रही है, जो हिंदू समाज की आस्था पर प्रहार है। जिसे वर्ल्ड हेरीटेज घोाित करना चाहिए था, उसे तोड़ने का यह क्रम क्यों किया जा रहा है? इस तरह से यह काम किया जाना, भारत की प्राचीन सभ्यता को मिटाना है। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से मांग है कि इस प्राचीन पुल को न तोड़ा जाए और इसे संरक्षित करके विश्व धरोहर के रूप में स्थापित किया जाए, क्योंकि पूरा हिंदू समाज उससे जुड़ा हुआ है। रामेश वरम का पुल भगवान राम ने सीता जी को लाने के लिए वानरों की सेना की सहायता से बनाया था। मैं समझता हूं कि उसको नहीं तोड़ना चाहिए।